मधुबन

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो [PAGE 13]

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q 1 | Page 13

संजाल पूर्ण करो :

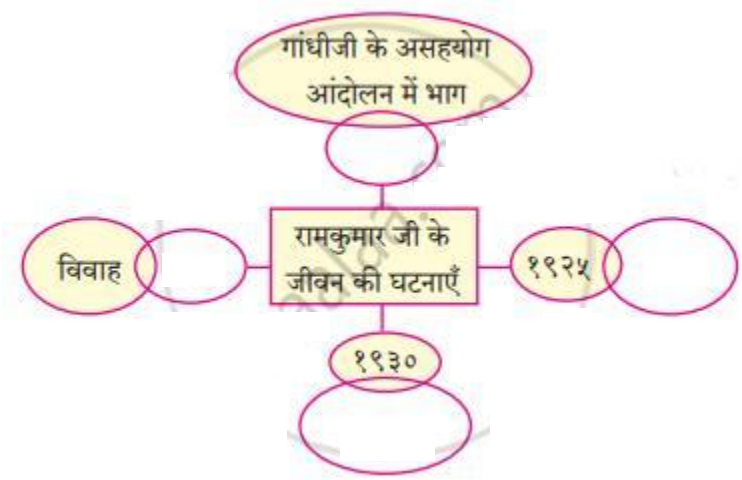

Solution: रामकुमार जी के जीवन की घटनाए:

१. **१९२१** - गांधीजी के असहयोग आंदोलन में भाग

२. **इंटर की परीक्षा उत्तीर्ण की** - १९२५

३. **'कबीर का रहस्यवाद' लिखा** - १९३०

४. **१९२६** - विवाह

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (२) १. | Page 13

कारण लिखो :

डॉक्टर साहब का राजनीति से दूर रहने का कारण

Solution: डॉक्टर साहब की राजनीति में कोई रुचि नहीं थी।

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (२) २. | Page 13

कारण लिखो

डॉक्टर साहब का मध्यप्रदेश से उत्तर प्रदेश आने के लिए प्रेरित होने का कारण

Solution: डॉक्टर साहब को हिंदी से प्रेम था और उन दिनों नागपुर विश्वविद्यालय में हिंदी नहीं थी। उनके हिंदी प्रेम ने उन्हें मध्य प्रदेश से उत्तर प्रदेश आने के लिए प्रेरित किया।

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (३) | Page 13

कृति करो :

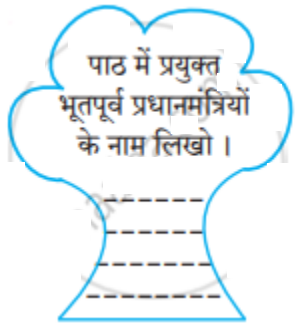

Solution: पाठ में प्रयुक्त भूतपूर्व प्रधानमंत्रियों के नाम :

१. नेहरू जी

२. शास्त्री जी

३. इंदिरा जी

४. मोरारजी भाई

सूचना के अनुसार कृतियाँ करो | Q (४) | Page 13

कृति पूर्ण करो :

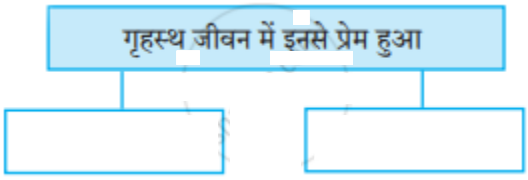

Solution:

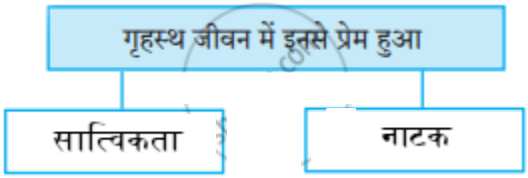

भाषा बिंदु [PAGE 13]

भाषा बिंदु | Q 1 | Page 13

निम्न शब्दों से कृदंत/तद्धित बनाओ :

मिलना, ठहरना, इनसान, शौक, देना, कहना, भाव, बैठना, घर, धन

Solution:

क्र.	कृदंत	तद्धित
१.	मिलना-मिलनेवाला	इनसान-इनसानियत
२.	ठहरना-ठहराव	शौक-शौकीन
३.	देना-देनेवाला	भाव-भावना
४.	कहना-कहनेवाला	घर-घरेलू
५.	बैठना-बैठनेवाला	धन-धनवान

उपयोजित लेखन [PAGE 13]

उपयोजित लेखन | Q 1 | Page 13

अपने विद्यालय में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी के उद्घाटन समारोह का प्रमुख मुद्दों सहित वृत्तांत लेखन करो।

Solution: १३ दिसंबर, २०१८ को गोखले विद्यालय के कक्षा आठवीं से दसवीं तक के विद्यार्थियों ने विद्यालय के सभागृह में विज्ञान प्रदर्शनी लगाई। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन करने हेतु पूर्णया प्रदन्या विद्यालय के प्राचार्य अविनाश बासु जी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। प्रमुख अतिथि अविनाश बासु के साथ गोखले विद्यालय के प्रधानाचार्य व विभागाध्यक्ष ने अपने करकमलों से दीप प्रज्वलित कर विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए ४० मॉडल प्रदर्शित किए गए। किसी ने सौर ऊर्जा से संबंधित मॉडल प्रस्तुत किया, तो किसी ने पानी को फिल्टर करने का यंत्र। विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए विज्ञान से संबंधित इन यंत्रों को देखकर सभी अचंभित हो गए। इन मॉडलों को देखकर विद्यार्थियों की विज्ञान के प्रति रुचि साफ झलक रही थी।

प्रदर्शनी के दौरान विद्यार्थियों के मनोरंजन हेतु विविध कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। अंत में निर्णायक मंडल द्वारा निर्णय घोषित किए गए। जिसमें कक्षा आठवीं के विवेक नाविक को प्रथम पुरस्कार दिया गया। द्वितीय पुरस्कार समीक्षा सणस को तथा तृतीय पुरस्कार एकता चौहान को दिया गया। अन्य विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि ने अपने आशीष वचनों से प्रोत्साहित किया। विद्यालय

के उपप्रधानाचार्य ने अतिथि महोदय तथा विद्यार्थियों के प्रति आभार प्रकट किया तथा राष्ट्रगान के साथ ही शाम ५ बजे इस भव्य विज्ञान प्रदर्शनी समारोह का समापन हुआ।

उपयोजित लेखन | Q 2 | Page 13

मैंने समझा

_____

_____

_____

Solution: इस पाठ के माध्यम से मैंने प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. रामकुमार वर्मा के जीवन से संबंधित जानकारी प्राप्त की। उनकी काव्य रचना की प्रेरणा के बारे में जाना; साहित्य के प्रति उनके जीवन के लौकिक व पारलौकिक प्रेम तथा देश की राजनीति में उनकी रुचि आदि के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त की।

स्वयं अध्ययन [PAGE 13]

स्वयं अध्ययन | Q 1 | Page 13

अंतरजाल से डॉ. रामकुमार वर्मा जी से संबंधित अन्य साहित्यिक जानकारियाँ प्राप्त करो।

Solution: डॉ.. रामकुमार वर्मा आधुनिक हिंदी साहित्य में 'एकांकी सम्राट' के रूप में जाने जाते हैं। ये हिंदी भाषा के सुप्रसिद्ध साहित्यकार, व्यंग्यकार और हास्य कवि के रूप में जाने जाते हैं। कविता में ये साधक की भूमिका में आए। अपने जीवन के अनुभवों से नाटकों की विषयवस्तु तैयार की तथा अनेक रचनाओं को लिपिबद्ध किया। इनकी प्रमुख रचनाओं में पृथ्वीराज की आँखें, रेशमी टाई, चारुमित्रा, दीपदान, अभिशाप, एकलव्य, हिमालय, कबीर का रहस्यवाद, जौहर, आकाशगंगा, चित्ररेखा, उत्तरायण आदि का समावेश है। १९३० में रचित 'बादल की मृत्यु' इनकी पहली एकांकी है। इन्होंने ऐतिहासिक और सामाजिक दो तरह के एकांकी नाटकों की सृष्टि की। कभी कवि तो कभी एकांकीकार, कभी नाटककार तो कभी आलोचक, कभी शोधकर्ता तो कभी साहित्य के इतिहास लेखक के रूप में इन्होंने हिंदी साहित्य को अपनी कृतियों से चमत्कृत किया है।